आदमखोर बाघ

शब्दार्थ :-

दराती – घास काटने का औज़ार

दबोचकर – ज़ोर से पकड़कर

नरभक्षी – इंसानों को खाने वाला

आक्रमण – हमला करना

मचान – पेड़ के ऊपर जाल (बैठने के लिए)

दहाड़ना – ज़ोर से आवाज़ निकालना

छटपटाना – तड़पना

निढाल – अत्यंत थका हुआ

क) सल्ट महादेव का मंदिर उत्तराखंड के पौड़ी ज़िले में स्थित है | मंदिर के आस – पास ही पहाड़ियों पर छोटे –छोटे अनेक गाँव हैं | इन गाँवों के लोग जंगलों से लकड़ी और घास लेने , पानी भरने या खेतों में काम करने के लिए इधर – उधर जाते हैं |

ख) मुन्नी देवी और बिगरी जंगल में लकड़ी काटने गयी थी |

ग) बाघ ने मुन्नी देवी की 13 वर्षीय पुत्री बिगरी को अपना शिकार बनाया |

घ) बाघ ने बिगरी के शरीर के कमर के ऊपर तक का सारा मांस खा लिया था |

ड़) बाघ ने कई बालक और स्त्रियों को मार डाला | 27 नवंबर ,1991 को उसने गोविन्द सिंह मिस्त्री के 11 वर्षीय पुत्र पप्पू को मारकर खा लिया | 3 दिसंबर ,1991 को जडऊँ गाँव में रहने वाली 26 वर्षीय कांति देवी को भी यह बाघ मारकर खा गया | फिर 13 दिसंबर को पुलटंडा गाँव की रहने वाली 36 वर्षीय देवकी को मौत के घाट उतार दिया |

छ) जब मृत बाघ और आदमखोर बाघ के पंजों के निशान मिलाए गए तो पता चला कि मृत बाघ वह आदमखोर बाघ नहीं है जिसने बच्चों और स्त्रियों को खाया था |

ज) 3 जनवरी ,1992 की रात को अचानक मचान के पास सरसराहट हुई | वह बाघ था | बाघ लंगूर की लाश के निकट आ गया और उसे सूँघने लगा | एक साथी ने तभी रोशनी की और जैसे ही बाघ रोशनी की तरफ घूमा वैसे ही जोशी ने उसे गोली मार दी | गोली बाघ की कनपटी में जा लगी | वह दहाड़ता हुआ बहुत ऊँचा उछला और फिर नीचे गिर गया |

झ) धोखे में मारे गए बाघ के लिए जोशी को इसलिए दुःख हुआ क्यूँकि मारा गया बाघ निर्दोष था |